32 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रिकॉर्ड किया गया मंगलवार को राजधानी में। वहीं, न्यूनतम तापमान 20.2 डिग्री सेल्सियस रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक मंगलवार का एयर इंडेक्स 112 रहा।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
बुधवार 9 अक्टूबर 2019

बुराई पर अच्छाई की जीत का उत्सव...

राजधानी में मंगलवार को विजयादशमी के पावन अवसर पर बुराई के प्रतीक रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतले जलाए गए। इस दौरान राष्ट्रपति से लेकर मुख्यमंत्री तक अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल हुए। आइपी एक्सटेंशन स्थित श्री रामलीला कमेटी इंद्रप्रस्थ में तीर चलाकर रावण का पुतला दहन करते राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद। इस दौरान उनकी पत्नी सविता कोविंद भी मौजूद रहीं (बाएं)। साथ ही लालकिला मैदान में लवकुश रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भगवान राम, लक्ष्मण व हनुमान की आरती करते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल (मध्य)। लालकिला मैदान में नवश्री धार्मिक लीला में तीर चलाकर रावण का वध करते पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी (दाएं)। जागरण

केजरीवाल को केंद्र सरकार की ना, डेनमार्क दौरा रद

रखा पक्ष ▶ विदेश मंत्रालय ने सम्मेलन की प्रकृति का दिया हवाला

दिल्ली के मुख्यमंत्री को सी-40 शिखर सम्मेलन में लेना था हिस्सा

राज्य ब्यूरो,नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सी-40 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए डेनमार्क नहीं जा पाए। उन्हें विदेश मंत्रालय से उनकी यात्रा के लिए मंजूरी नहीं मिल सकी। मुख्यमंत्री का मंगलवार दोपहर दो बजे डेनमार्क के कोपेनहेगन में सम्मेलन के लिए जाने का कार्यक्रम था। सम्मेलन 9 अक्टूबर को शुरू हो रहा है और 12 अक्टूबर तक चलेगा।

मुख्यमंत्री को आठ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करना था। इस सम्मेलन में दुनिया के सबसे बड़े महानगरों में से एक दिल्ली के नेता के रूप में केजरीवाल को आमंत्रित किया गया था। केजरीवाल दुनिया के उन 20 नेताओं में शामिल होने डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन जा रहे थे जो इस बात का प्रण लेंगे कि लघु और दीर्घकालिक प्रतिबद्धताओं से अपने-अपने शहर की हवा को स्वच्छ किया जाए। अरविंद केजरीवाल को सम्मेलन के मंच से दिल्ली के प्रदूषण को 25 फीसद तक कम करने के लिए सरकार की ओर से किए गए सफल प्रयास की जानकारी दुनिया के सामने रखते।

विदेश मंत्रालय ने कहा : विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने कहा- मैं राजनीतिक मंजूरी के लिए सवालों का जवाब नहीं देना चाहता। यदि आप समझदार हैं तो आपको इसकी प्रक्रिया के बारे में पूरी जानकारी होगी। हमें हर महीने मंत्रालयों, सचिवों, नौकरशाहों से राजनीतिक मंजूरी के लिए सैकड़ों अनुरोध मिलते हैं। एक निर्णय कई सूचनाओं पर आधारित होता है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन की प्रकृति का भी ध्यान रखा जाता है, जहां व्यक्ति भाग लेने जा रहा है।

संजय सिंह ने कहा-केंद्र से अनुमति न मिलना दुर्भाग्यपूर्ण : : अरविंद केजरीवाल को डेनमार्क जाने की अनुमति न मिलने पर आम आदमी पार्टी (आप) से राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। सीएम केजरीवाल छुट्टी मनाने के लिए डेनमार्क नहीं जा रहे थे। एशिया के 100 शहरों के मेयरों से प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई के लड़ने के तरीकों के विषय में चर्चा करने जा रहे थे।

सिंह ने कहा कि हमने सवा महीने पहले आवेदन किया था, लेकिन मंजूरी नहीं मिल सकी। जबकि बंगाल सरकार के शहरी विकास मंत्री फरहाद हाकिम ने विदेश जाने के लिए सप्ताह भर पहले आवेदन किया और उन्हें अनुमति मिल गई। इससे पता चलता है कि हमारे साथ भेदभाव किया जा रहा है। इससे उन लोगों को क्या संदेश मिला जो सम्मेलन में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि इससे पहले पिछले साल भी उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को मास्को और दो साल पहले मोहल्ला क्लीनिक योजना को लेकर स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन के आस्ट्रेलिया के दौरे पर जाने से भी रोका गया था।

डेनमार्क में बताना था, कैसे कम किया प्रदूषण

- चार साल पहले तक दिल्ली दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल थी। वायु प्रदूषण को कम करने में कैसे सफलता मिली।
- मुख्यमंत्री को दिल्ली में बेहतर बिजली आपूर्ति के लिए सरकार की ओर से किए गए प्रयास पर प्रकाश डालना था।
- किस तरह जेनरेटर सेट का चलन दिल्ली में लगभग बंद हुआ।
- कैसे 95 फीसद उद्योगों के सीएनजी में शिफ्ट होने से औद्योगिक प्रदूषण में गिरावट आई। दो थर्मल पावर प्लांट को बंद किया।
- किस तरह सरकार के प्रयास से निर्माण स्थलों से होने वाले प्रदूषण में कमी देखने को मिली। हरियाली का दायरा बढ़ा।
- मुख्यमंत्री एशियन मेयर और सिटी लीडर्स कम कार्बन समावेशी विकास बैठक नामक शिखर सम्मेलन के दौरान एक कार्यक्रम में वरिष्ठ वक्ता भी थे।

'विजयादशमी पर लोग पर्यावरण संरक्षण का लें संकल्प'

जागरण संवाददाता, पूर्वी दिल्ली

विजयादशमी पर प्रभु श्रीराम ने अहंकारी रावण पर जीत दर्ज कर बुराई पर अच्छाई का संदेश दिया। भारतवासियों को इस दिन पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। भगवान राम की परंपराएं, आदर्श आज भी विश्व में प्रासंगिक हैं। यह बातें राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रामलीला के मंच से कहीं।

दशहरे पर राष्ट्रपति अपनी पत्नी सविता कोविंद के साथ पूर्वी दिल्ली के आइपी एक्सटेंशन स्थित श्रीरामलीला कमेटी इंद्रप्रस्थ में पहुंचे। इससे पहले राष्ट्रपति ने श्रीराम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान की आरती की और उनसे आशीर्वाद लिया। इसके बाद उन्होंने मंच से तीर छोड़कर रावण, मेघनाद, कुंभकरण के साथ चौथी बुराई पंच सर्प कालिया (वायु, जल और ध्वनि प्रदूषण के साथ सिंगल यूज प्लास्टिक और लैंडफिल साइट) के पुतले का दहन किया। इतिहास में पहली बार किसी राष्ट्रपति ने यमुनापार की रामलीला में पहुंचकर रावण के पुतले का दहन किया। राष्ट्रपति ने अपने आठ मिनट के भाषण में रामचरित मानस, महात्मा गांधी और पर्यावरण स्वच्छता का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि रामचरित मानस पर्यावरण स्वच्छता का संदेश देती है। भगवान राम कण-कण में बसे हैं। उन्होंने कहा रामलीला के मंच से पर्यावरण और जल संरक्षण का संदेश दिया जाना चाहिए।

इससे पहले केंद्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि रामलीलाओं में प्रतिस्पर्धा हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश में रामराज्य लाना चाहते हैं, इस काम में हर नागरिक साथ दे। विजयादशमी पर यह शपथ लें। उन्होंने कहा कि यमुनापार के लिए सौभाग्य की बात है कि राष्ट्रपति ने यहां आकर रावण के पुतले का दहन किया। रामलीला समिति के प्रधान सुरेश बिंदल ने राष्ट्रपति को शॉल और अन्य पदाधिकारियों ने गदा, त्रिशूल आदि भेंट किए।

वेंकैया ने सामाजिक बुराइयों पर विजय पाने की दी नसीहत

लालकिला मैदान में श्री धार्मिक लीला कमेटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शांति के प्रतीक कबूतर को उड़ाते उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू। संजय

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दशहरे के मौके पर उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने देशवासियों से सामाजिक बुराइयों पर विजय पाने को कहा। उन्होंने कहा कि जातिवाद, कट्टरवाद, छुआछूत और भ्रष्टाचार जैसी सामाजिक बुराइयां समाज और देश के विकास में बाधक हैं। इन पर विजय पाना आवश्यक है। वह लाल किला की श्रीधार्मिक लीला समिति द्वारा आयोजित दशहरा के कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस मौके पर उन्होंने सांकेतिक तीर छोड़कर रावण का दहन किया और शांति के प्रतीक कबूतर छोड़े। उनके साथ पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह व लीला समिति के अध्यक्ष धीरजधर गुप्ता भी मौजूद थे।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि हम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का 150वां जन्मदिवस मना रहे हैं, जिन्होंने भारत में राम राज्य का सपना देखा था। राम राज्य को हम एक आदर्श राज्य मानते हैं। जिसका नैतिकता और न्याय प्रमुख प्रतीक है।

साउंड इफेक्ट से हुआ धूम-धड़ाका : पर्यावरण रक्षा के लिए लाल किला की श्री धार्मिक लीला ने अनूठा प्रयोग किया। लीला में रावण, मेघनाद और कुंभकरण का पुतला तो जला पर पटाखे नहीं फोड़े गए। हालांकि धूम-धड़ाके में कोई कमी नहीं आई, क्योंकि पटाखों की आवाज साउंड इफेक्ट से निकाली गई।

कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लाल किला की नवश्री धार्मिक रामलीला में प्रतीकात्मक तीर छोड़कर बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया।

दिल्ली वालों संग कनॉट प्लेस में दीपावली मनाएंगे केजरीवाल

जासं, नई दिल्ली : प्रदूषण के खिलाफ जारी जंग में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इस बार दीपावली दिल्लीवालों के संग कनॉट प्लेस में मनाएंगे। छोटी दीपावली के दिन कनॉट प्लेस में सरकार द्वारा खास लेजर शो का आयोजन किया जाएगा, जिसमें शामिल होने के लिए केजरीवाल ने सभी दिल्लीवालों को आमंत्रित किया है। लालकिला में लवकुश रामलीला में अधर्म पर धर्म की जीत का प्रतीक रावण, मेघनाथ व कुंभकरण के पुतला दहन के अवसर पर पहुंचे केजरीवाल ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदूषण के खिलाफ जंग जारी है। इसपर हमें विजय पाना है। यह अच्छी बात है कि हम सब के प्रयासों से इस युद्ध में कुछ सफलता पाई है। खुशी है कि दिल्ली में प्रदूषण 25 फीसद तक कम हो गया है, लेकिन यह जंग जारी है।

सीएम ने कहा, हमने दीपावली दिल्ली वालों के संग मनाने का फैसला किया है। कनॉट प्लेस में लेजर शो का आयोजन होगा। लोग पूजा पाठ कर इस आयोजन में शामिल होने आएं। पर शर्त यह है कि लोग इस दीपावली पर पटाखे नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने डेंगू के खिलाफ अभियान की सफलता का जिक्र करते हुए कहा कि हम लोगों ने डेंगू का वध करके दिखा दिया है। चिकित्सक और विशेषज्ञ कहते थे कि इस बार डेंगू का मामला बहुत बढ़ेगा। इसे लेकर दिल्ली सरकार द्वारा अभियान चलाया गया है। उन्होंने लोगों को सचेत करते हुए कहा कि इस बीमारी के खिलाफ जंग जारी रखें। एक ही महीने की बात है। 15 नवंबर तक ही डेंगू होता है। उसके बाद चिंता की कोई बात नहीं होगी। इसके पहले उन्होंने प्रतीकात्मक तीन तीर छोड़कर रावण, मेघनाथ व कुंभकरण का वध किया।

एम्स में दिसंबर में शुरू होगा बर्न व प्लास्टिक सर्जरी सेंटर

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

▶ **102 बेड और छह ऑपरेशन थियेटर की होगी सुविधा**

एम्स में बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी सेंटर बनकर तैयार है। एम्स प्रशासन इसे जल्द शुरू करने की तैयारी में है। उम्मीद है कि दिसंबर में एम्स में बर्न व प्लास्टिक सर्जरी सेंटर शुरू हो जाएगा। खास बात यह है कि बेड क्षमता के मामले में यह सफदरजंग अस्पताल के बर्न सेंटर के लगभग बराबर होगा, लेकिन एम्स के बर्न व प्लास्टिक सर्जरी सेंटर में अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही रिकंस्ट्रक्टिव व प्लास्टिक सर्जरी की बेहतर सुविधा मिल पाएगी।

मौजूदा समय में बर्न के इलाज की सुविधाएं दिल्ली ही नहीं पूरे देश में सीमित है। यही वजह है कि सफदरजंग अस्पताल के 108 बेड के बर्न सेंटर में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तरांचल, मध्य प्रदेश व बिहार से मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। इस वजह से सफदरजंग अस्पताल के बर्न सेंटर में पीड़ितों को बेड मिल पाना मुश्किल होता है। वैसे दिल्ली में सफदरजंग अस्पताल के अलावा आरएमएल व लोकनायक अस्पताल में भी बर्न का अलग वार्ड है। इसके अलावा ट्रॉमा सेंटर में काफी संख्या में ऐसे हादसा पीड़ित पहुंचते हैं जिन्हें प्लास्टिक सर्जरी करने की जरूरत पड़ती है। यही वजह है कि एम्स में बर्न व प्लास्टिक सर्जरी के सेंटर की जरूरत महसूस की जा रही थी। ट्रॉमा सेंटर के परिसर में बर्न व प्लास्टिक सर्जरी सेंटर का भवन करीब तैयार है। इसमें 102 बेड की सुविधा होगी। जिसमें 30 आइसीयू बेड शामिल होंगे। इसके अलावा इसमें छह ऑपरेशन थियेटर होंगे। एम्स के अनुसार अभी तक बर्न सेंटर का भवन अस्पताल प्रशासन को सुपूर्द नहीं हुआ है। क्योंकि फायर व अन्य संबंधित विभागों से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेने की प्रक्रिया चल रही है। अनापत्ति प्रमाण पत्र मिलने के बाद इस सेंटर में चिकित्सा सुविधाएं शुरू करने का रास्ता साफ हो जाएगा, लेकिन एक साथ पूरे बेड क्षमता के अनुसार इसका संचालन शुरू नहीं हो पाएगा। इसलिए शुरुआत में कम बेड क्षमता के साथ इसमें इलाज शुरू होगा। एम्स में बर्न व प्लास्टिक सर्जरी का विभाग पहले से कार्यरत है, जिसमें पांच फैकल्टी हैं। इसलिए कम बेड क्षमता के साथ इलाज शुरू करने में डॉक्टरों की कमी आड़े नहीं आएगी। बाद में अगले साल इसमें सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा।

एलपीजी सिलेंडर फटने से मां-बेटी की मौत

जागरण संवाददाता, पूर्वी दिल्ली

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के न्यू सभापुर गुजरान में मंगलवार सुबह करीब 10 बजे आग लगने से एलपीजी के दो सिलेंडर फट गए। इस हादसे में मां-बेटी की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के समय मैकेनिक राजेश सिलेंडर रिसाव बंद करने का प्रयास कर रहा था। हादसे में मां-बेटी की मौत हो गई। मृतकों की पहचान रामश्री देवी (62) और इनकी बेटी हेमलता (38) के रूप में हुई है। वहीं घायल मैकेनिक राजेश (42) का सफदरजंग अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने शवों को जीटीबी अस्पताल में रखवा दिया है। परिजनों ने अस्पताल में हंगामा कर बिना पोस्टमार्टम के शव देने की मांग की। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के समझाने पर वह माने। करावल नगर थाना पुलिस केस दर्जकर मामले की जांच कर रही है।

हेमलता परिवार के साथ 246, न्यू सभापुर में रहती थीं। आठ साल पहले उनके पति प्रवीण की मौत हो गई थी। हेमलता का एक बेटा अरुण (18) और एक बेटी कशिश (12) है। घर से थोड़ी दूरी पर ही हेमलता का मायका है, वहां उनके पिता इंद्रपाल पत्नी रामश्री और दो बच्चों के साथ रहते हैं। मंगलवार को विजयादशमी का त्योहार होने की वजह से रामश्री बेटी के घर प्रसाद लेकर गई थीं। मां के आने पर हेमलता रसोई में चाय बनाने लगीं। इस दौरान उन्होंने सिलेंडर से गैस रिसाव होते देखा। हेमलता ने मैकेनिक राजेश को रिसाव ठीक करने के लिए बुलाया। रसोई में उस वक्त मां-बेटी के अलावा राजेश था। रिसाव को ठीक करते समय अचानक सिलेंडर में आग लग गई और कुछ सेकेंड बाद ही वह फट गया। इसकी चपेट में आने से रसोई में रखा दूसरा सिलेंडर भी फट गया। इससे रामश्री और हेमलता के शरीर के चिथड़े उड़ गए। वहीं राजेश बुरी तरह झुलस गया। रसोई में आग लग गई। सिलेंडर के धमाके की आवाज सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो पाए। सूचना मिलते ही दमकल, पुलिस और कैट्स एंबुलेंस मौके पर पहुंची। पुलिस ने एंबुलेंस से राजेश को जीटीबी अस्पताल पहुंचाया, जबकि मां-बेटी के शवों को शवगृह में रखवा दिया। दमकल की दो गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। जीटीबी में राजेश की हालत बिगड़ने पर उसे सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे के वक्त हेमलता का बेटा काम पर गया हुआ था और बेटी मौसी के घर मंडोली गई हुई थी। हेमलता भी एक जींस की फैक्ट्री में काम करती थीं। मंगलवार को दशहरा की छुट्टी की वजह से घर पर थीं। मृतकों के परिजनों का आरोप है दमकल की गाड़ियां काफी देरी से पहुंचीं, जबकि दमकल विभाग के अधिकारियों ने आरोपों को नकारा है।

न्यू सभापुर गुजरान स्थित मकान में इसी जगह हुई सिलेंडर फटने की घटना। जागरण

ग्रामसभा की जमीन अब अपने कब्जे में लेगा डीडीए

संजीव गुप्ता, नई दिल्ली

▶ **पिछले 62 वर्षों में दिल्ली विकास प्राधिकरण को नहीं मिल सका है कब्जा**

दिल्ली में ग्रामसभा की जमीन पर अब दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) का कब्जा होगा। डीडीए ने दिल्ली सरकार से इसे अपने अधीन लेने की तैयारी कर ली है। पहले चरण में डीडीए को लगभग 250 हेक्टेयर जमीन मिलने के आसार हैं। इस सारी जमीन को लैंडपूलिंग पॉलिसी में शामिल किया जाएगा।

यूं तो दिल्ली में जमीन से जुड़े सभी मामले डीडीए के ही अधिकार क्षेत्र में आते हैं, लेकिन सन 1957 में हुए डीडीए के गठन से लेकर अभी तक भी डीडीए के पास ग्रामसभा की जमीन का कब्जा नहीं है। दरअसल, यह जिम्मेदारी पहले दिल्ली प्रशासन एवं अब दिल्ली सरकार की है कि वह ग्रामसभा की जमीन को अधिग्रहीत कर उसे डीडीए के सुपुर्द करे। यदि इस जमीन पर कहीं अतिक्रमण है, तो उसे हटाने का दायित्व भी दिल्ली सरकार का ही है। दिल्ली सरकार ग्रामसभा की जमीन को अधिग्रहीत तो करती रही है, लेकिन उसे डीडीए को सौंपने की प्रक्रिया कागजों तक ही सिमटकर रह गई।

डीडीए अधिकारियों के मुताबिक जमीन की सुपुर्दगी के लिए उसका सीमांकन और सर्वे होना जरूरी है, जो कराया ही नहीं जाता। इसलिए पिछले 62 वर्षों में भी डीडीए को इस जमीन का कब्जा नहीं मिल पाया है। उपराज्यपाल एवं डीडीए के अध्यक्ष अनिल बैजल के इस दिशा में लगातार किए गए प्रयासों के फलस्वरूप अब जल्द ही दिल्ली सरकार का राजस्व विभाग डीडीए को यह जमीन सौंप देगा। डीडीए को उम्मीद है कि पहले चरण में उसे ग्रामसभा की 200 से 250 हेक्टेयर तक जमीन मिल जाएगी। इस जमीन को लैंडपूलिंग पॉलिसी में उन जोनों में इस्तेमाल किया जाएगा, जहां पर अभी तक न्यूनतम 70 फीसद जमीन एकत्र नहीं हो पाई है।

> ग्रामसभा की जमीन डीडीए की है, लेकिन आज तक कब्जा नहीं मिल सका। अब उपराज्यपाल के सहयोग से जल्द ही यह कब्जा मिल जाएगा। ग्रामसभा की यह जमीन मिल जाने से न सिर्फ लैंडपूलिंग पॉलिसी को रफ्तार मिलेगी, बल्कि दिल्ली की विकास योजनाओं में भी इस जमीन का इस्तेमाल किया जा सकेगा।
> -तरुण कपूर, उपाध्यक्ष, डीडीए

तैयारी

राष्ट्रीय महत्व के स्मारक का दर्जा हासिल इस मकबरे के संरक्षण की योजना बनाई है एएसआइ ने, इसके तहत जौक की कब्र के आसपास के क्षेत्र की दशा सुधारी जाएगी

कौन जाए जौक, दिल्ली की गलियां छोड़कर...

वी.के. शुक्ला, नई दिल्ली

शेर-ओ-शायरी की बात आती है तो सभी कुछ गालिब पर आकर ही अटक जाता है, मगर यहां जौक भी ऐसे शायर हुए हैं जिन्होंने देश और दुनिया में दिल्ली का नाम रोशन किया है। 'कौन जाए जौक, दिल्ली की गलियां छोड़कर' यह शेर कहने वाले दिल्ली पर फिदा मशहूर शायर जौक कहीं बाहर नहीं गए और यहीं रह भी गए। मगर जौक को शायद पता नहीं था कि दिल्ली उन्हें ऐसे भुला देगी। नबी करीम इलाके में स्थित शेख इब्राहीम जौक की मजार पर वीरानी छाई है। जौक अंतिम मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर के दरबारी शायर थे।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) ने इसे राष्ट्रीय महत्व के स्मारक का दर्जा दिया है। मगर अब इसकी हालत ऐसी नहीं रहेगी। एएसआइ ने इसके संरक्षण की योजना बनाई है। योजना के तहत उनकी कब्र के आसपास के क्षेत्र की दशा सुधारी जाएगी। स्मारक के अंदर के फर्श का संरक्षण कार्य किया जाएगा। प्रवेश द्वारा को इस तरह बनाया जाएगा कि वह बेहतर दिखे। इस स्मारक तक पहुंचने के लिए दो रास्ते हैं। एक रास्ता पहाड़गंज में होटल टुडे के पास से संकरी गली से है जो करीब एक किलोमीटर अंदर जाने के बाद इस स्मारक तक पहुंचती है। दूसरा रास्ता कुतुब रोड से है। इन दोनों रास्तों पर अब सूचना बोर्ड लगाए जाएंगे, जिसपर स्मारक के इतिहास के बारे में जानकारी लिखी होगी। जौक की मजार नबी करीम की चिन्नौर बस्ती में है। 1996 में यहां पहले से बने शौचालय को हटाकर उच्च न्यायालय के दखल से जौक की मजार को फिर से सम्मानित तरीके से स्थापित किया गया। यह भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) का स्मारक है।

जौक का मकबरा। जागरण

शेख इब्राहीम जौक का जन्म 1789 में दिल्ली के काबुली दरवाजा निवासी एक सिपाही शेख रमजान के घर हुआ था। इनमें शुरू से ही शायरी के प्रति दीवानगी थी और बड़े होकर मात्र 19 साल की उम्र में बहादुर शाह जफर के दरबार में उस्ताद की पदवी मिली। जौक कभी सुल्तान के दरबार में महज चार रुपये माह के वेतन पर मुलाजिम हुआ करते थे। बाद में जब जफर सत्ता पर काबिज हुए तो उनका वेतन चार रुपये से बढ़ाकर सौ रुपये कर दिया गया। जिस वक्त देश में आजादी को लेकर पहली क्रांति जन्म ले रही थी उस वक्त तक जौक दरबार में बतौर शाही शायर रहे। जौक की शायरी की सबसे खास बात थी कि उनके हर कलाम में बेहद आम और हल्के फुल्के शब्द हुआ करते थे।

एक आंसू ने डुबोया मुझको उनकी बज्म में।
बूंद भर पानी से सारी आबरू पानी हुई।।

यही वजह थी कि उनके कलाम जल्द ही लोगों को समझ में आ जाया करते थे। वो तुरंत गजल कहने में माहिर थे। 1854 में शायरी की दुनिया का यह चमकता सितारा आसमान में कहीं खो गया।

जौक के कुछ शेर

इन दिनों गरचे दकन में है बड़ी क़द्र-ए-सुखन।
कौन जाए ज़ौक़, दिल्ली की गलियां छोड़ कर।।
जब तक मिले न थे जुदाई का मलाल था।
अब ये मलाल है कि तमन्ना निकल गई।।

ममेरे भाई ने की थी मुथुट कंपनी के प्रबंधक की हत्या

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

उत्तर प्रदेश के बादलपुर कोतवाली क्षेत्र में बीते जून के महीने में मुथुट फिनकार्प कंपनी के प्रबंधक आजाद की गोली मारकर हुई हत्या का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। प्रबंधक की हत्या की वारदात को उसके ममेरे भाई परविंदर ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर अंजाम दिया था। परविंदर कंपनी का चार किलो सोना लूटना चाहता था, लेकिन प्रबंधक इस योजना में शामिल होने से इन्कार कर दिया था। इस वजह से आरोपित ने प्रबंधक की हत्या कर दी। घटना में शामिल दो आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है जबकि दो अभी फरार है।

एसएसपी वैभव कृष्ण ने बताया कि बादलपुर कोतवाली क्षेत्र में कल्दा नहर की पुलिया के पास बीते 20 जून को एक अज्ञात युवक का शव पड़ा मिला था। इसकी पहचान हापुड़ के काठी खेड़ा गांव के रहने वाले आजाद के रूप में हुई थी। आजाद मुथुट फिनकार्प लिमिटेड गाजियाबाद की शाखा में प्रबंधक के पद पर तैनात थे। परिजन ने हत्या का मुकदमा दर्ज करवाया था। बादलपुर कोतवाली प्रभारी पटनीश कुमार की टीम ने मामले में सीसीटीवी से अहम सुराग हासिल किया। इसके आधार पर पुलिस ने प्रबंधक आजाद के ममेरे भाई परविंदर को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उसने बताया कि उसने कुछ दिनों पहले आजाद से दस हजार रुपये उधार लिए थे। आजाद उस पर रुपये पैसे वापस करने का दबाव बना रहा था। आरोपित ने बताया कि 20 जून को परविंदर ने उधार के रुपये वापस देने की बात कहकर आजाद को कलदा गांव के समीप बुलाया था। जहां परविंदर के तीन साथी चमनलाल, दीपक और सुनील पहले से मौजूद थे। आरोपितों ने पहले आजाद को शराब पिलाई। जिसके बाद उसके बैग से उसके लॉकर की चाबी निकाल ली। इसके बाद आरोपित चाबी लेकर कंपनी की शाखा में पहुंचे और लॉकर खोलकर सोना लूटने का प्रयास किया। लेकिन लॉकर नहीं खुला। उन्होंने यह बात आजाद को बताई तो वह नाराज हो गया। इस पर आरोपितों ने आजाद की गोली मारकर हत्या कर दी।

प्रबंधक की हत्या करने वाले आरोपितों के बारे में जानकारी देते एसएसपी वैभव कृष्ण। जागरण